पंजाब केसरी 06/02/2025

जी.एम.एन. कॉलेज में 'साहित्य, संस्कृति और समाज' पर हुई ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी

साहित्य हमारे समाज की समझ को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 5 फरवरी (बलराम): छावनी के जी.एम.एन. कॉलेज के अंग्रेजी, हिन्दी, पंजाबी एवं संस्कृत विभागों ने आई.के.एस. क्लब और लैंग्वेज लैब के सहयोग से 'साहित्य, संस्कृति और समाज' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कॉलेज के सैमीनार हॉल में संपन्न हुआ, जिसमें वक्ताओं ने साहित्य के समाज और संस्कृति पर प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर यूनिवर्सिटी एरीजनल कैम्पस शिलोंग के डिपार्टमैंट ऑफ इंग्लिश लिटरेचर इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेज की असिस्टैंट प्रोफैसर डा. अरोमा खारशिंग और रांची विश्वविद्यालय में भाषाओं के डीन डा. जंग बहादुर पांडेय शामिल हुए।

संगोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने साहित्य, संस्कृति और समाज के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य समय-समय पर सामाजिक परिवर्तनों, सांस्कृतिक मूल्यों और मान्यताओं को प्रतिबिंबित करता है। जी.एम.एन. कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठियां विद्यार्थियों को हमारी संस्कृति और समाज के बारे में जानने में मदद करती हैं। साहित्य समाज का दर्पण है और यह हमारे समाज की समझ को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अपने संबोधन में डा. अरोमा ने कहा कि साहित्य समाज की आत्मा है, जो उसकी संस्कृति और परंपराओं को संजोए रखता है। डा. जंग बहादुर पांडेय ने कहा कि ज्ञान मानव समाज की सर्वोत्तम उपलब्धि है। बिना ज्ञान के मनुष्य का अस्तित्व शून्य है। संगोष्ठी का संचालन डा. अमित कुमार एवं डा. रितु गुप्ता ने किया।

अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका कमलेश कुमारी एवं हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रितु गुप्ता संगोष्ठी की संयोजिका रहीं और इसके आयोजन में डा. अमित कुमार, डा. ज्योति सौरोत, डा. अनीश, डा. राजेंद्र देशवाल, डा. अंशु चौधरी, डा. नीना, डा. जसवीर कौर, डा. प्रबलीन कौर, प्रियंका बाल्दिया और महक तलवार की अहम भूमिका रही।

ऑनलाइन राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेते प्राचार्य डा. रोहित दत्त एवं अन्य वक्ता।